AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आज से सजेगा शताब्दी समारोह का स्वर्णिम मंच

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 11 बजे करेंगे उद्घाटन, उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी रहेंगे मौजूद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह का आगाज बृहस्पतिवार को हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समारोह का शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर उप-मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। लविवि में सांस्कृतिक, साहित्यिक और विज्ञान उत्सव के कार्यक्रम 25 नवंबर तक चलते रहेंगे। इस दौरान लविवि के भूतपूर्व और वर्तमान छात्र भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

सुबह 11 बजे समारोह का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से विरासत का परिचय कार्यक्रम होगा। साहित्यिक उत्सव का अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी से शुभारंभ तथा शाम को अवध की रोशन चौकी के तहत पद्मश्री महिला अवस्थी व पद्मश्री मिश्र के कार्यक्रम होंगे। कोविड-19 का दौर होने की वजह से सीमित संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया है। पहले दिन का कार्यक्रम मालवीय सभागार में होगा। इस दौरान हाल में एक-एक कुर्सी छोड़कर लोगों को बिठाया जाएगा। इसके बाद 25 नवंबर तक होने समारोह के दौरान कुमार विश्वास, महिलाओं अवस्थी, अनूप जलोटा, डॉ.के नारायण और सलीम आरिफ जैसी हस्तियों के कार्यक्रम होंगे। अभिनेता अनुपम खेर समेत कई कार्यक्रम ऑनलाइन भी जुड़ेंगे। समारोह के अंतिम दिन रवामंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित रहेंगे। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली उपस्थित होंगे तथा विवि पर डाक टिकट, सिक्का, कॉफी टेबल बुक तथा डॉक्यूमेंट्री का विमोचन इसी समारोह में किया जाएगा। समारोह के दौरान सभी कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के लिए हर तरफ उत्साह का माहौल है। अपनी प्रस्तुति को यादगार बनाने के लिए रिहर्सल करते विवि के छात्र व एनसीसी कैडेट्स।

आज के कार्यक्रम

उद्घाटन समारोह : सुबह 11 बजे से 12 बजे तक, विरासत से परिचय-सुबह 12:30 बजे, साहित्यिक उत्सव का अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से शुभारंभ, अवध की रोशन चौकी- पद्मश्री महिला अवस्थी व पद्मश्री मिश्र- शाम 5:30 बजे।

परिसर में बदली रहेगी प्रवेश की व्यवस्था

लखनऊ। लविवि में शताब्दी समारोह के दौरान परिसर में प्रवेश की व्यवस्था बदली रहेगी। पूरे समारोह के दौरान आगंतुकों के लिए गेट संख्या चार तय कर दी गई है। गेट संख्या दो से अति विशिष्ट अतिथि, विशिष्ट अतिथि, गणमान्य नागरिक, सम्मानित अतिथि, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं आमंत्रित मीडिया कर्मी प्रवेश करेंगे। शिक्षक, कर्मचारी पंजक विजेता छात्र-छात्राएं गेट संख्या चार और पांच पर अपने वाहन खड़े कर परिसर में प्रवेश करेंगे। गेट संख्या एक के पास वाहन खड़े करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

गेट संख्या एक के पास वाहन खड़े करने पर रहेगा प्रतिबंध

समारोह के दौरान ऐसे होगा भीड़ का प्रबंधन

शताब्दी समारोह ऐसे समय पड़ा है जबकि पूरा विश्व कोविड-19 संक्रमण से जूझ रहा है। अभी तक स्कूल कॉलेज नियमित रूप से नहीं खुल पाए हैं। ऐसे में शताब्दी समारोह के दौरान भीड़ प्रबंधन भी एक बड़ी चुनौती है। विश्वविद्यालय ने इसके लिए कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत बेहद सीमित संख्या में ही लोगों को आमंत्रित किया गया है। उद्घाटन समारोह में भी 100 से 150 के बीच ही लोग उपस्थित रहेंगे। मालवीय सभागार की कुल क्षमता करीब 400 व्यक्तियों की है, इसके बावजूद यहां पर सिर्फ 150 लोग ही रहेंगे। बिना कार्ड किसी को प्रवेश नहीं मिलता है। एक कुर्सी छोड़कर बैठने की व्यवस्था होगी। कुर्सी पर टेप चिपका होगा ताकि उस पर कोई न बैठे। जो लोग समारोह से जुड़ना चाहते हैं उनके लिए लाइव स्ट्रीम की व्यवस्था की गई है, ताकि वे कैमस आए बिना पूरे समारोह का आनंद घर बैठे ही उठा सकें। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी लोगों से अपील की है कि परिसर आने के बजाय घर से लाइव स्ट्रीमिंग देखें और आनंद उठाएं।

लखनऊ विवि का शताब्दी समारोह आज से

मंगलवार विश्वविद्यालय में होने वाले शताब्दी समारोह के लिए विभाग की तैयारियों का जायजा लेते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार मिश्र (बीच में)

AMRIT VICHAR PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय में होने वाले शताब्दी समारोह के लिए विभाग की तैयारियों का जायजा लेते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय

एलयू में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पूरा हुआ रिहर्सल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी उत्सव का आयोजन शुक्रवार से शुरू हो जाएगा। इसमें पहले कार्यक्रम की शुरुआत लविवि के छात्र-छात्राओं और ये सांस्कृतिक कार्यक्रमों का रिहर्सल किया गया। विश्वविद्यालय के कैम्पस छात्राओं ने हो रहे रिहर्सल के दौरान छात्राओं ने अपनी-अपनी ओर से पेश किए गए कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। 25 नवंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम के अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट नवा गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को विश्वविद्यालय के कला प्रदर्शन किया गया। समारोह में शामिल होने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीएचडी में प्रवेश पाने वाले शोधार्थियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को भी आमंत्रित किया गया है।

TOI PAGE 3

CELEBRATIONS BEGIN TODAY

Event | Venue | Time

Inauguration by UP CM | Malviya hall | 11am

Heritage walk | LU Old campus | 12.30pm

Literary festival | Malviya hall | 2.30pm

Avadh ki Roshan Chowki by folk singer Malini Awasthi | Arts Quadrangle | 5.30pm

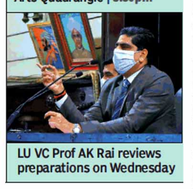

LU VC Prof AK Rai reviews preparations on Wednesday

छात्रसंघ से लेकर राजनीति के फलक तक चमका लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत जैसे राजनेता यहीं से पढ़े हैं। सुरजीत सिंह बरनाला, लालजी टंडन जैसी हस्तियां भी यहां से निकली हैं। लविवि में छात्रसंघ का गौरवशाली इतिहास रहा है।

इसी छात्रसंघ ने ऐसी हस्तियों को मंच प्रदान किया है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने लविवि से न सिर्फ पढ़ाई की बल्कि छात्र राजनीति की शुरुआत भी यहीं से की थी। वह वर्ष 1940-41 में लविवि में विधि संकाय के प्रतिनिधि चुने गए थे। उन्होंने लखनऊ में अध्ययन भी किया था। वे 1952 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और 1956 से 1967 तक कैबिनेट मंत्री भी रहे। पढ़ाई के दौरान उन्होंने विवि की प्रतिष्ठित पाकशाली पंचक भी जीता। उस समय यूनियन के प्रेसीडेंट हरिकृष्ण अवस्थी व प्रो. हरिकृष्ण अवस्थी लविवि छात्रसंघ के अध्यक्ष, यहां के शिक्षक, शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी रहे। इसके साथ ही प्रो. अवस्थी करीब 30 साल तक एमएलसी रहे। वर्ष 1989 से 1992 तक वे लविवि के कुलपति भी रहे। लविवि छात्रसंघ के सहारे राजनीति का चरम छूने वाले विद्यार्थियों की यहां लंबी सूची रही है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त

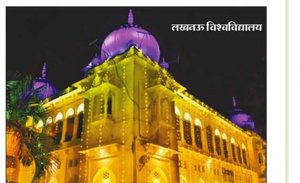

लखनऊ विश्वविद्यालय

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्त व हरीश रावत भी रहे यहां के छात्र

छात्रसंघ पदाधिकारियों ने राजनीति में हासिल किया मुकाम

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा के साथ ही चंद्रभानु गुप्ता, हरीश रावत, डॉ. दिनेश शर्मा, लालजी टंडन, ब्रजेश पाठक, महेंद्र सिंह, आशुतोष टंडन जैसे बड़े नाम भी यहीं के पूर्व विद्यार्थी हैं। लविवि के कई छात्रसंघ पदाधिकारियों ने राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया। छात्रसंघ अध्यक्ष रहे नेक राम शर्मा, रविंद्र मिश्र, विनय यादव मिश्रा, श्याम लखन बाजपेयी, सत्यदेव त्रिपाठी, दीपी बोरा, अशुल अंजान, एसपी सिंह, रविंद्र सिंह, अरविंद सिंह गोप, कृष्ण पाठक, समरपाल सिंह, भैरोंद बाहदुर सिंह, रामकृष्ण भार्गव ने राजनीति में उच्च स्थान हासिल किया। छात्रसंघ महामंत्री रहे राजेंद्र द्विवेदी, भैरोंद भाटिया और रविदाम मेहरोत्रा ने भी इस परंपरा को आगे बढ़ाया। छात्र राजनीति करने वाले सुरजीत सिंह बरनाला, शिवपाल यादव, हरीश रावत, रामभोला, सैयद सिब्ते रजी, केशी पंत, राम मोहित चौधरी, सरजाद जहीर, विजयभाशे सिंधिया, जफर अली नकवी, अरविंद सिंह, अजीत सिंह, दिंपल पाठक, स्वाती सिंह और अरिफ मोहम्मद खान ने भी राजनीति की बुलंदियां में जबकर पूरे देश में लविवि का नाम रोशन किया है।

मुख्य न्यायाधीश पद तक पहुंचे लविवि के होनहार

लविवि का विधि संकाय हमेशा से उन्नत रहा है। यहां से मुख्य न्यायधीश व एक आनंद जैसा बड़ा नाम निकला है। इसके साथ ही काफी न्यायधीश यहां के पूर्व छात्र रह चुके हैं। जस्टिस हैदर रजा अब्बास तथा मसहूर वकील दीपक मिश्रा भी यहीं के विद्यार्थी रहे हैं। इनके साथ ही अवध्या मामले को पहली सुनवाई करने वाले जस्टिस एनएन तिलहरी भी यहीं के पूर्व छात्र हैं। इसके साथ ही अवध बार काउंसिल के जज का लविवि से नाता रहा है। यहां के शिक्षक प्रो. अनुराग सिंह का नाम शिक्षक के साथ ही नेपाल का संविधान लिखने की वजह से भी है।

धर्म और आध्यात्म से समाज को दी नई दिशा

लविवि के विद्यार्थियों ने दुनिया भर में नाम रोशन किया है। धर्म और आध्यात्म की बात आने पर भी लविवि ने दुनिया को राह दिखाई है। चिन्मय मिशन की स्थापना करने वाले बालकृष्ण जी यहां में सांदीपनि चिन्मयानंद सरस्वती के नाम से मसहूर हुए, यहां भी यहां के छात्र रहे। इसके अलावा पूर्व कुलपति प्रो. एमबी लाल ने भी संस्कीनगृह होने के बाद आध्यात्म का रुख किया। अमरा जाकर उन्होंने राधा कृष्ण मिशन की बागडोर संभाली थी।

कुलपति का पेन उठाने के बाद मिली सीख

वर्ष 1972 में मैंने लविवि में बीएससी में दाखिला लिया और 1981 में एलएलएम करने के बाद गढ़वाल लिवि में नियुक्त हो गया था। अपने छात्र जीवन की एक घटना मुझे आज भी याद है। उस समय आईएएस अधिकारी अशोक मुखर्जा कुलपति हुआ करते थे। एक दिन छात्र नेता अपनी मांगों को लेकर उनके कार्यालय में घुस गए। इसमें मैं भी था। भीड़ जब लौटने लगी तो मैंने कुलपति की रूपरेखा तैयार हुई। अप्रैल 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए एक मसौदा विधेयक पेश किया। इस मसौदे को 12 अगस्त 1920 को विधान परिषद में पेश किया गया।

कुछ संशोधनों के बाद यह विधेयक आठ अक्तूबर 1920 को विधान परिषद द्वारा पारित किया गया। एक नवंबर 1920 को इस बिल पर लेगवर्नर तथा 25 नवंबर 1920 को भारत के गवर्नर जनरल ने हस्ताक्षर किए। गवर्नर जनरल द्वारा हस्ताक्षर करने की तारीख को ही लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना की तारीख माना जाता है। इस साल 25 नवंबर को लविवि शताब्दी हो जाएगा और बिना रुके आगे बढ़ जाएगा। अब लविवि के सामने अपनी चार के अंग्रेजी एक मसहूर अखबार में विवि की स्थापना के लिए एक लेख लिखा था। इसी पर संयुक्त प्रांत के ले. गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने काम करना शुरू किया।

उनकी पहल पर 10 नवंबर 1919 को गवर्नमेंट हाउस में शिक्षाविदों की बैठक हुई। इसमें विवि की स्थापना की प्रस्तावित योजना की रूपरेखा तैयार हुई। अप्रैल 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए एक मसौदा विधेयक पेश किया। इस मसौदे को 12 अगस्त 1920 को विधान परिषद में पेश किया गया।

एलएलएम फाइनल ईयर में पास हुए सिर्फ दो

लविवि का विज्ञान संकाय हमेशा से ही बहुत उन्नत और प्रतिष्ठा रहा है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इसका विद्यार्थी, शिक्षक और डीन बनने का मौका मिला। लविवि में पढ़ाई का माहौल बेहद सख्त था। विशेषकर एलएलएम में मेरा समय में जब एलएलएम में मेरा दाखिला हुआ तो मेरे सीनियर ने कहा कि दाखिले से कुछ नहीं होता है, बड़ी बात पास होना है। पहले साल में बहुत कापी हुए तक देखने को भी मिली। उस समय में सिर्फ आठ विद्यार्थी पास हुए। सौभाग्य से पास होने वाले विद्यार्थियों में मेरा नाम भी था। अंतिम मेरोटर की बारी आई तो पास होने वाले विद्यार्थियों का आंकड़ा घटकर सिर्फ दो ही रह गया। इस बार भी मैं पास हो गया। पीएचडी करने के बाद मैं यहीं पर अध्यापक हो गया। - **प्रो. सीपी सिंह**, डीन लॉ, लविवि

शताब्दी वर्ष समारोह का आज मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष समारोह गुरुवार से शुरू होगा। 19 से 25 नवंबर तक चलने वाले समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा भी कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय परिसर स्थित मालवीय सभागार में किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE I

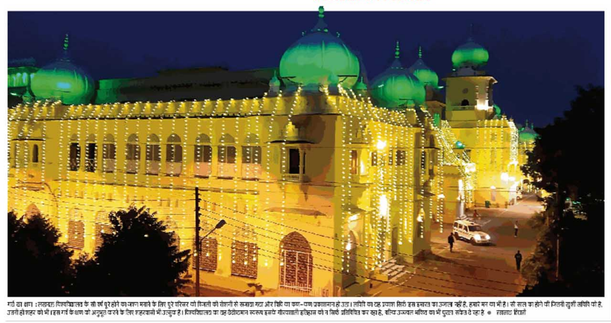

शताय होने वाला देश का 10वां विश्वविद्यालय

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि की स्थापना से पहले भारत में वर्ष 1857 में कोलकाता विश्वविद्यालय, मद्रास विवि और बंबई विवि की स्थापना हुई थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय 1887 में और बीएचयू तथा मैसूर विवि की स्थापना 1916, पटना विवि की स्थापना वर्ष 1917, उस्मानिया विवि की 1918 और अलीगढ़ विश्वविद्यालय 1920 में स्थापित हुआ था। इस लिहाज से लविवि देश के 10 सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है। लविवि को शुरुआत अवध के तालुकेदारों ने 1 मई 1864 को कैनिंग कॉलेज के रूप में की थी। कॉलेज को विवि बनाने की कल्पना सबसे पहले राजा महमूदबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान ने की थी। राजा महमूदाबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पहले कुलपति भी थे। उन्होंने उस समय के अंग्रेजी एक मसहूर अखबार में विवि की स्थापना के लिए एक लेख लिखा था। इसी पर संयुक्त प्रांत के ले. गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने काम करना शुरू किया।

प्रतीकात्मक

उनकी पहल पर 10 नवंबर 1919 को गवर्नमेंट हाउस में शिक्षाविदों की बैठक हुई। इसमें विवि की स्थापना की प्रस्तावित योजना की रूपरेखा तैयार हुई। अप्रैल 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए एक मसौदा विधेयक पेश किया। इस मसौदे को 12 अगस्त 1920 को विधान परिषद में पेश किया गया।

कुछ संशोधनों के बाद यह विधेयक आठ अक्तूबर 1920 को विधान परिषद द्वारा पारित किया गया। एक नवंबर 1920 को इस बिल पर ले.गवर्नर तथा 25 नवंबर 1920 को भारत के गवर्नर जनरल ने हस्ताक्षर किए। गवर्नर जनरल द्वारा हस्ताक्षर करने की तारीख को ही लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना की तारीख माना जाता है। इस साल 25 नवंबर को लविवि शताबु हो जाएगा और बिना रुके आगे बढ़ जाएगा। अब लविवि के सामने अपनी चार के अंग्रेजी एक मसहूर अखबार में विवि की स्थापना के लिए एक लेख लिखा था। इसी पर संयुक्त प्रांत के ले. गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने काम करना शुरू किया।

JAGRAN CITY PAGE I

आज से शुरू होगी बीएड में दाखिले के लिए काउंसिलिंग

लखनऊ। प्रदेश भर के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू होगी। तीन चरण में होने वाली काउंसिलिंग में रैंक के अनुसार स्टूडेंट्स शामिल होंगे। इसके बाद पूल काउंसिलिंग और फिर डायरेक्ट एडमिशन का मौका दिया जाएगा।

बीएड कोऑर्डिनेटर प्रो. अमिता वाजपेयी ने बताया कि काउंसिलिंग के पहले चरण में एक से 50 हजार रैंक तक वाले स्टूडेंट्स शामिल होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के स्टूडेंट्स के लिये इस बार 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। स्टूडेंट्स को इसका फायदा काउंसिलिंग के समय ही दिया जाएगा। इस बार स्टूडेंट्स को काउंसिलिंग के समय जीरो फीस का लाभ नहीं मिलेगा। बीएड काउंसिलिंग का शेड्यूल : 19 नवंबर को एक से 50000 रैंक वाले स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन, 20 व 21 को रजिस्ट्रेशन व च्वाइस फिलिंग, 23 को च्वाइस फिलिंग, 24 को सीट आवंटन, 25 व 26 को सीट निर्धारण व फीस जमा।

VISHWAVARTA PAGE 4

शताय लविवि : उपलब्धियां अनेक, संभावनाएं अनंत

विवि में गेट नंबर एक से लेकर एमवीए विभाग तक हर ओर दिखी अद्भुत सजावट

उत्सव को मनाने की तैयारियां बेजोड़
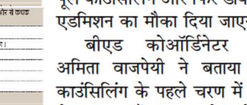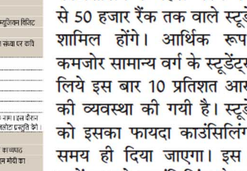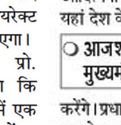
सभी छात्र नेताओं के साथ मुझे भी जेल में रहना पड़ा